स्नातक उपाधि सामान्य (सी.बी.सी.एस)
(बी.ए. सामान्य)

सत्रीय कार्य
(जुलाई 2025 और जनवरी 2026 सत्रों के लिए)

पाठ्यक्रम कोड : बी.एच.डी.एस –183

अनुवाद सिद्धांत और प्रविधि

मानविकी विद्यापीठ
इंदिरा गाँधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
मैदानगढ़ी, नई दिल्ली-110068

हिन्दी में आधार पाठ्यक्रम

सत्रीय कार्य

(2025–2026)

पाठ्यक्रम कोड : बी.एच.डी.एस–183/**2025–2026**

प्रिय छात्रों/छात्राओं,

अनुवाद सिद्धांत एवं प्रविधि पाठ्यक्रम में आपको एक सूत्रीय कार्य करना है। यह सत्रीय कार्य शिक्षक जांच सत्रीय कार्य (टी.एम.ए.) है। सत्रीय कार्य के लिए 100 अंक निर्धारित किये गये हैं। उदेश्य सत्रीय कार्य का मुख्य यह जाँचना है कि आपने पाठ्य सामग्री को कितना समझा है और आप स्वयं उसे अपने शब्दों में कैसे प्रस्तुत कर सकते हैं। उद्देश्य यह भी है कि अध्ययन के दौरान जो कुछ आपने सीखा और समझा है उसे आलोचनात्मक ढंग से प्रस्तुत कर सकें।

निर्देश : सत्रीय कार्य आरंभ करने से पूर्व निम्नलिखित बातों को ध्यान से पढ़िए :

1. ऐच्छिक पाठ्यक्रम के लिए कार्यक्रम दर्शिका में दिए गए विस्तृत निर्देशों का सावधानीपूर्वक अध्ययन कीजिए।

2. अपनी उत्तर पुस्तिकाओं के पहले पृष्ठ के दाएँ सिरे पर अनुक्रमांक, नाम, पूरा पता और दिनांक लिखिए।

3. अपनी उत्तर पुस्तिकाओं के प्रथम पृष्ठ के मध्य भाग में पाठ्यक्रम का शीर्षक, सत्रीय कार्य संख्या और अपने अध्ययन केन्द्र का उल्लेख कीजिए।

4. उत्तर पुस्तिका का प्रथम पृष्ठ निम्न प्रकार से शुरू होगा :

अनुक्रमांक : .....

नाम : .....

पता : .....

पाठ्यक्रम का नाम/कोड : .....

सत्रीय कार्य कोड : .....

अध्ययन केन्द्र का नाम/कोड : .....

दिनांक .....

5. उत्तर के लिए केवल फुलस्केप के आकार के कागज का इस्तेमाल करें और उन कागजों को अच्छी तरह से बाँध लें ।

6. प्रत्येक उत्तर के पहले प्रश्न संख्या अवश्य लिखें और अपनी ही लिखावट में उत्तर दें

7. सत्रीय कार्य पूरा करके जाँच के लिए अपने अध्ययन केन्द्र के संयोजक (Coordinator) के पास निर्धारित तिथि तक अवश्य जमा करा दें।

सत्रीय कार्य जमा करने की अंतिम तिथि :

जुलाई 2025 सत्र के लिए : 31 मार्च, 2026

जनवरी 2026 सत्र के लिए : 30 सितंबर, 2026

सत्रीय कार्य के लिए आवश्यक निर्देश

सत्रीय कार्य में आप से मुख्य रूप से तीन तरह के प्रश्न पूछे गए हैं।

उत्तर देने के लिए आप निम्नलिखित विधि से तैयारी करेंगे तो आपके लिए लाभप्रद होगा।

1 अध्ययन : सबसे पहले सत्रीय कार्य को ध्यान से पढ़िए। फिर इससे संबंधित इकाइयों का अध्ययन कीजिए। अंत में प्रत्येक प्रश्न के संबंध में सभी खास बातें नोट कर लीजिए और उन्हें तार्किक ढंग से पुनर्वयवस्थित कीजिए।

2 अभ्यास : अपने उत्तर का प्रारूप लिखने से पूर्व नोट की गई बातों पर विचार कीजिए। निबंधात्मक या टिप्पणीपरक प्रश्नों में आरंभ और उपसंहार का विशेष ध्यान दीजिए। उत्तर के आरंभिक अंश में प्रश्न संक्षिप्त व्याख्या और अपने उत्तर की दिशा का संकेत अवश्य दे देना चाहिए। मध्य भाग में आप उत्तर का मुख्य भाग आवश्यक विस्तार के साथ क्रमबद्ध और तार्किक ढंग से प्रस्तुत करें। उपसंहार में उत्तर का सार देना चाहिए। यह सुनिश्चित कर लीजिए कि :

क) आपका उत्तर तार्किक और सुसंगत हो,

ख) वाक्यों और अनुच्छेदों (Paragraph) के बीच स्पष्ट क्रमबद्धता हो

ग) उत्तर सही ढंग से लिखा गया हो तथा जो आपकी अभिव्यक्ति, शैली और प्रस्तुति के पूर्णतया अनुकूल हो।

घ) उत्तर प्रश्न में निर्धारित शब्दों से अधिक लंबा न हो और

ङ) आपके लेखन में भाषागत त्रुटियां न हों, विशेष रूप से मात्रा और व्याकरण संबंधी गलतियों से बचें।

शुभकामनाओं सहित!

नोट : याद रखें कि परीक्षा में बैठने से पूर्व सत्रीय कार्य जमा कराना अनिवार्य है अन्यथा आपको परीक्षा में बैठने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

हिन्दी में ऐच्छिक पाठ्यक्रम
सत्रीय कार्य (2025–2026)
बी.एच.डी.एस–183
(अनुवाद सिद्धांत और प्रविधि)

पाठ्यक्रम कोड : बी.एच.डी.एस–183
सत्रीय कार्य कोड : बी.एच.डी.एस–183/टीएमए/2025–2026
कुल अंक 100

नोट : सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

खंड–क

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लगभग 800 शब्दों में दीजिए। 2x20= 40

1. 21वीं सदी में अनुवाद की उपयोगिता एवं महत्व पर अपने विचार प्रकट कीजिए।

   अथवा

   अनुवाद का अर्थ स्पष्ट करते हुए अनुवाद के स्वरूप पर विचार कीजिए।

2. अनुवाद के महत्व और चुनौतियों पर प्रकाश डालिए।

   अथवा

   विभिन्न अनुवाद चिंतकों के अनुसार अनुवाद के प्रकार पवर विचार कीजिए।

खंड–ख

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लगभग 500 शब्दों में दीजिए। 4x10=40

3. रूपांतरण और छायानुवाद में अंतर है? समझाइए।
4. नाइडा द्वारा बताए गए अनुवाद के विभिन्न सोपानों की चर्चा कीजिए।
5. भारतीय साहित्य की एकता में अनुवाद की क्या भूमिका है ?
6. गद्य साहित्य के अनुवाद की विशेषताओं का उल्लेख कीजिए।

खंड–ग

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लगभग 200 शब्दों में दीजिए। 4x5= 20

7. कविता के अनुवाद की प्रमुख चुनौतियों पर सोदाहरण प्रकाश डालिए।
8. प्रशासनिक कार्यों में अनुवाद की आवश्यकता क्यों पड़ती है ?
9. पारिभाषिक शब्दावली की नियोजित विकास–प्रक्रिया को स्पष्ट कीजिए।
10. सरकारी और अर्ध–सरकारी पत्र में क्या अंतर है ?